ओम् शान्ति 21-4-21 मधुबन

प्राणप्यारे अव्यक्त बापदादा के अति स्नेही, एकाग्रता के अभ्यास द्वारा सागर के तले में जाकर अनुभवों के अमूल्य खजाने प्राप्त करने वाले, सभी पवित्रता के आभामण्डल में सुरक्षित रहने वाली निमित्त टीचर्स बहिनें तथा सर्व ब्राह्मण कुल भूषण भाई बहिनें,

ईश्वरीय स्नेह सम्पन्न मधुर याद स्वीकार करना जी।

बाद समाचार - वर्तमान समय आप सभी देश में फैल रही कोरोना महामारी के समाचार सुनते, अपनी शुभ चिंतक वृत्ति द्वारा योग के प्रयोग कर रहे होंगे! बाबा कहते बच्चे, चारों ओर के वायुमण्डल को देखते हुए आप शुभ भावना सम्पन्न पवित्र और योगी आत्माओं को विशेष मन्सा सेवा के लिए समय निकालना चाहिए। ड्रामा की यह भी वन्डरफुल सीन है जो पिछले वर्ष से भी 10 गुणा बड़े रूप में अभी सबके सामने आई है। हर राज्य अपने-अपने ढंग से इस महामारी से बचने, बचाने के उपाय कर रहा है। हमें उम्मींद है आप सभी बाबा के बच्चे परमात्म रक्षा-कवच के नीचे सुरक्षित होंगे! सभी को अपने इस संगमयुगी अमूल्य शरीर की भी सम्भाल करनी है। साथ-साथ विश्व कुटुम्बक की भावना से अपने बेहद परिवार प्रति सहानुभूति सम्पन्न योग अभ्यास द्वारा राहत पहुंचानी है। उन्हें इस आपदा को सहन करने की शक्ति मिले, शरीर छोड़ने वाली आत्माओं को भी शान्ति का दान मिले, इसी लक्ष्य से आज यह विशेष पत्र लिख रही हूँ:-

1- ड्रामानुसार जबकि अभी बाहर आने जाने की अथवा वाचा की सेवाओं का पार्ट बन्द है। तो हर एक विशेष अमृतवेले 4 बजे बापदादा से मिलन मनाने, रूहरिहान करने के पश्चात - **प्रातः 4.30 से 4.45 बजे तक और सायं 7.00 से 7.30 बजे तक विशेष योग अभ्यास में ज्ञान सूर्य बापदादा से लाइट माइट की किरणें लेते हुए मन्सा द्वारा सर्व आत्माओं को शान्ति और शक्ति का दान देने की सेवा करे।** विशेष अपने चारों ओर पवित्रता की दिव्य शक्तियों के आभामण्डल का अनुभव करते हुए अपनी सुरक्षा के साथ सर्व आत्माओं को योग का सहयोग दे।

2- मधुबन, ज्ञान सरोवर और शान्तिवन में जो भी योग भट्ठी, मीटिंग्स आदि के कार्यक्रम एनाउन्स हुए थे। **अभी 31 मई 2021 तक सभी कार्यक्रम स्थगित किये गये हैं।** सबको अपने-अपने स्थानों पर ही रहकर तपस्या करनी है, जब परिस्थितियां अनुकूल होगी तब आपको पुनः सूचित किया जायेगा। अभी किसी को भी मधुबन में नहीं भेजना है। अच्छा - सभी को याद...

ईश्वरीय सेवा में,

B.K. Ratan Mohini

(बी.के.रतनमोहिनी)